1

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–18)

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	**GSM (M-I)-2418**	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: TESHUKANT **Mobile Number:** ______

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** ______

Center & Date: Aug 21 / 824 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: ______

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH.***
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

---

1. संसदीय उत्तरदायित्व के स्तर को निर्धारित करने में विपक्षी दलों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। चर्चा कीजिये।

(150 शब्द) 10

The role of opposition parties is critical in determining the level of parliamentary accountability. Discuss.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हालही में 18th LS के विपक्ष के नेता के रूप में राहुलगांधी का चयन किया गया, जिससे इसका महत्व प्रकाश में है।

संसदीय उत्तरदायित्व का सिद्धांत

1. कार्यपालिका का संसद के प्रति
2. सामूहिक उत्तरदायित्व लोकसभा के प्रति (A75)
3. व्यक्तिगत उत्तरदायित्व राष्ट्रपति के प्रति

↓

जनता के प्रति उत्तरदायी सरकार (संविधानवाद)

संसदीय उत्तरदायित्व में विपक्षी दलों की भूमिका

1. प्रश्नकाल के माध्यम से

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

A. सामान्य, तत्काल तथा मौखिक प्रश्नों का प्रयोग

B. विधेयकों पर पर्याप्त चर्चा → 17th LS 221/333 विधेयक बिना समिति निरीक्षण के पास

C. शून्य घंटे का प्रयोग
→ [eg] कोविड महामारी के दौरान अनुपालित

2. विशेषाधिकारों के हनन के मामले में
→ मंत्री को उत्तरदायित्व ठहराना

3. समिति के माध्यम से निरीक्षण
A. लोक लेखा समिति + CAG (मित्र)
→ विपक्षी दल का अध्यक्ष
B. JPC के माध्यम से जाँच [eg] बोफोर्स, हर्षद मेहता
C. विभागीय समिति के सदस्य (17th LS – 18% विधेयक) → बजट का तार्किकरण

4. अल्पसंख्यक का प्रतिनिधित्व करना।
→ लोकप्रिय सरकार न बनने देना।

इसी संदर्भ में कहा जाता कि जिस देश का विपक्ष मजबूत होता है वहाँ का लोकतंत्र मजबूत होगा।

drishti | दृष्टि The Vision

2. महिलाओं की श्रम बल भागीदारी को बढ़ाने में स्वयं सहायता समूहों की भूमिका पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10
Discuss the role of Self-Help Groups in widening women's labour force participation. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

NSSO के हालही के डेटा के अनुरूप महिला LFPR में वृद्धि हुई है और यह 37% हो चुकी है।

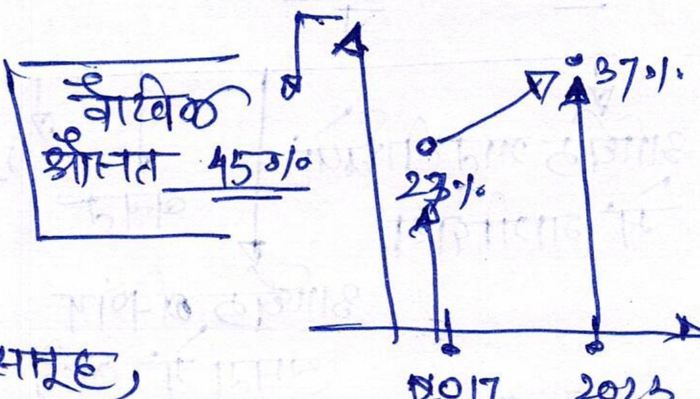

स्वयं सहायता समूह, मुख्यत: समान सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की महिलाओं द्वारा साझा उद्यम के लिए बनाया गया अनौपचारिक समूह है।

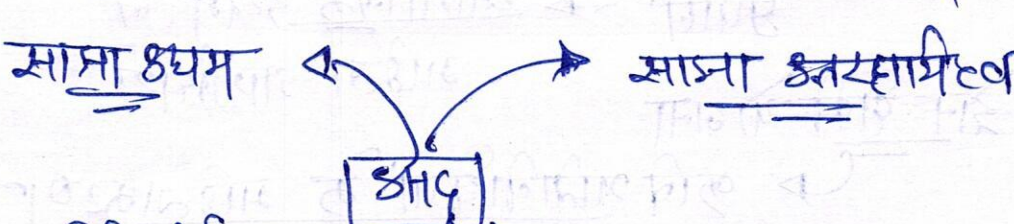

LFPR बढाने में SHG की भूमिका

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. सूक्ष्म ऋण लेने की क्षमता में वृद्धि
   → बैंकों द्वारा आसानी से देना
   → NABARD के प्रयासों के अनुरूप

2. उद्यम से आय सृजन
   - आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी
   - आर्थिक निर्णय क्षमता में वृद्धि
   - बचत
   - मूल्यश्रृंखला का हिस्सा

   उदा. कुडुम्बश्री (केरल)

3. लखपति दीदी योजना → 2cr महिलाओं को लखपति बनाना

4. सेवा संगठन का प्रयास → सामाजिक उद्यम में महिला भागीदारी

6. ड्रोन दीदी योजना
   → कृषि गतिविधियों के महिलाकरण को तकनीक से जोड़ना।

हालाँकि महिला कार्यबल का 90% अनौपचारिक क्षेत्र में है, जिसे सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता है।

3. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के माध्यम से निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा मिलने से समाज के कल्याण के प्रति समग्र दृष्टिकोण को बल मिला है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The approach to welfare is wholesome and whole-of-society, with increasing private sector participation through Corporate Social Responsibility(CSR). Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कंपनी अधिनियम, 2013 के सूची 7 में sec 135 में CSR को कानूनी रूप वैधानिकृत करने वाला भारत पहला देश है।

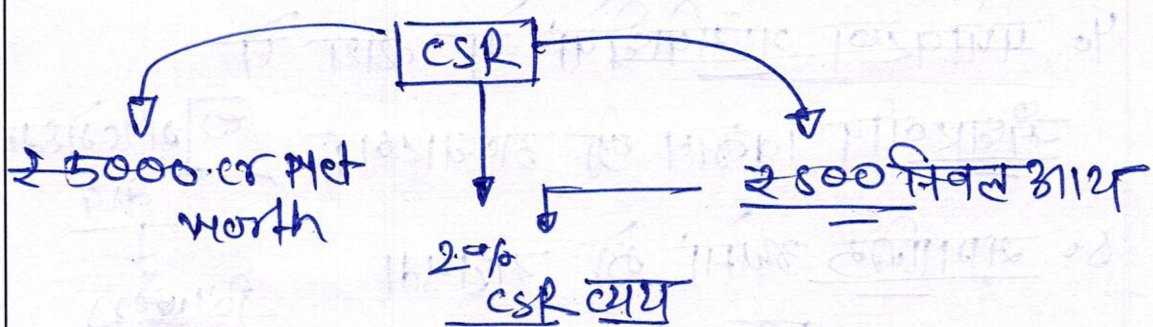

CSR से समाज कल्याण

1. CSR व्यय के विभिन्न विकल्प दिये गये हैं, जिनमें से किसी का भी चयन निजी क्षेत्र कर सकता है—

A. कृषि क्षेत्र में निवेश

B. पर्यावरण पूरक गतिविधि

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

C. PM CARE फंड में जमा

D. स्थानीय विकास में योगदान

E. अनुसंधान

2. ESG सिद्धांतों पर आधारित

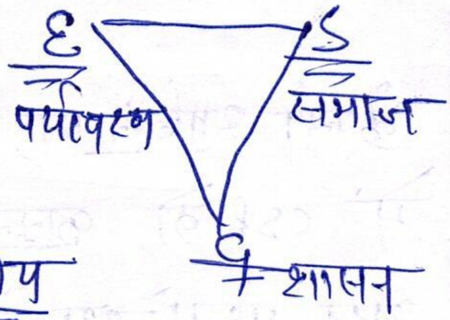

3. कौशल विकास में योगदान से जनांकिकीय लाभांश सुनिश्चित करना

4. पर्यावरण गतिविधियों में व्यय से संधारणीय विकास की अवधारणा।

[छ] शेयरधारकवाद → Polluters Pay Principle

5. सामाजिक उद्यमों की सहायता

6. अनुसंधान में वृद्धि

↳ वर्तमान निजी क्षेत्र जिम्मेदारी ~ 30% of 0.69% of GDP

7. व्यावसायिक उत्तरदायित्व को सुनिश्चित करता है।

इस प्रकार समाज के संसाधनों के प्रयोग से समाज की समृद्धि करना गांधी जी के ट्रस्टीशिप के अनुरूप है।

drishti | दृष्टि The Vision

4. व्यक्तिगत और राष्ट्रीय विकास के क्रम में मानसिक स्वास्थ्य, कम ध्यान दिये जाने वाला लेकिन प्रभावशाली चालक है। चर्चा कीजिये। इस संबंध में सरकार की सकारात्मक नीति क्या है? (150 शब्द) 10

Mental health is a less seen yet principally impactful driver of individual and national development. Discuss. What is the Government's positive policy momentum in this regard? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संविधान सभा में मौलिक अधिकारों की घोषणा के दौरान इसे बहुआयामी व्यक्ति विकास का प्रेरक बताया गया, मानसिक विकास क्रम में से एक महत्वपूर्ण कारक बताया गया।

मानसिक स्वास्थ्य प्रभावशाली चालक के रूप में

1. व्यक्तिगत विकास में + पारिवारिक खुशहाली
   - A. उच्च उत्पादकता को प्रदर्शित करता है
   - B. ज्ञान व कौशल धारण की क्षमता → उद्योगों में माँग
   - C. सीखने के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण
   - D. चुनौतियों से घबराना नहीं

2. राष्ट्रीय विकास में:

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidatg must not write on this margin)

" एक स्वस्थ तन व स्वस्थ मन से युक्त युवा भारत के भविष्य की रचना कर सकता है" – स्वामी विवेकानंद

▷ मानसिक तनाव सामाजिक तनाव में नहीं बदलता ⓔ Fake news ▷ सांप्रदायिकता

मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति

1. आत्महत्या दर में वृद्धि ⓔ NM में सर्वाधिक
2. महिला उत्पीड़न की समस्या
3. प्रतियोगिता परीक्षा का बोझ
4. सोशल मीडिया का प्रभाव → Ecochamber → Toxification → Bulling → संवेदना का ह्रास

भारत में पहल

1. मनोदर्पण योजना में.
2. Tele-मानस योजना
3. मानसिक स्वास्थ्य अधि. ▷ आत्महत्या के प्रयास का गैर अपराधीकरण
4. भारतीय न्याय संहिता →

हमारी युवाशक्ति का सर्वोत्तम प्रयोग करने के लिए मानसिक स्वास्थ्य नीति निर्माण के केंद्र में होना चाहिए

drishti | दृष्टि The Vision

5. ग्रामीण भारत के शासन में सुधार हेतु शुरू की गई विभिन्न डिजिटलीकरण पहलों पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the multiple digitization initiatives that have been unfolding in rural India to improve governance. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

73rd CAA के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों तक शासन का विकेंद्रीकरण वैधानिक प्रयासों से किया गया किंतु अब डिजिटल माध्यम से शासन के विकेंद्रीकरण की प्रक्रिया जारी है।

विभिन्न डिजिटलीकरण पहल

1. कॉमन सर्विस सेंटर की स्थापना
   A. किसी भी प्रकार की ई-सेवा के लिए
2. भारतनेट प्रोजेक्ट → 2.5 लाख गाँवों को ब्रॉडबैंड से जोड़ने का प्रयास
3. FPS (राशन दुकानों) में POS स्थापना
   ES 5.22 लाख / 5.5 लाख
4. eNAM के माध्यम से ग्रामीण मंडियों का

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

GIS बनाना

5. मनरेगा को AEPS से जोड़ना → ब्रिज में कमी करना

6. JAM (जनधन - आधार - मोबाइल)
→ आर्थिक समावेशन

7. GeM (सरकारी खरीद को बढ़ावा)

8. प्राथमिक ऋण समिति (PACS) के डिजिटलीकरण के लिए ₹60000 आवंटित

9. किसान क्रेडिट कार्ड → आर्थिक समावेशन + सशक्तिकरण

10. प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण
PM किसान, PDS

11. स्वामित्व योजना → भूपत्रों को डिजिटल करना।

12. ग्राम पंचायतों का आदर्श नागरिक चार्टर
– पंचायती राज मंत्रा० 2021

इस प्रकार ग्रामीण स्तर पर e-gov की क्रांति से सुशासन का प्रयास किया जा रहा है।

drishti | दृष्टि The Vision

6. भारतीय संविधान की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इस लिखित संघीय संविधान को नम्यता (Flexibility) प्रदान करने का प्रयास किया गया है। विस्तारपूर्वक समझाइये। (150 शब्द) 10

A distinctive feature of the Indian Constitution is that it seeks to impart flexibility to a written federal Constitution. Elaborate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अमेरिकी संविधान के संदर्भ में कहा जाता है कि यह अनम्य है, ब्रिटिश संविधान अत्याधिक नम्य है वहीं भारतीय संविधान में दोनों की विशेषताएँ समाहित है जो इसे संतुलनकारी नम्यता प्रदान करता है।

संघीय संविधान की नम्यता के आधार

1. तीन प्रकार के संविधान संशोधन का उल्लेख

A. सामान्य बहुमत के द्वारा

[उदा] राज्यों की सीमा परिवर्तन, चुनाव आयोग में सुधार, कोरम निर्धारण आदि विषय

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Art-368 ख. लोकसभा व राज्यसभा में विशेष बहुमत (उपस्थिति 2/3)

[ख] मौलिक अधिकारों, DPSP में संशोधन

Art 368 ग. संसद द्वारा विशेष बहुमत व आधे राज्यों के विधानसभा से सहमति

[ख] संघीय मामले – सहकारिता, पंचायती राज, GST

2. नम्यता के पीछे कारण।

- परिस्थिति अनुरूप संशोधन का अधिकार
- कल्याणकारी कार्यों के निष्पादन के लिए (केशवानंद भारती वाद)
- संघ को अधिक शक्ति दिया जाना

साथ भारतीय संवैधानिक की नम्यता से केशवानंद भारती वाद के तहत मूल ढांचे का सिद्धांत दिया गया, जो कुछ विशेष विशेषताओं का ~~संरक्षण~~ संरक्षण करता है।

drishti | दृष्टि The Vision

7. न्यायिक कार्यों की पारदर्शिता तथा जवाबदेहिता एक सुदृढ़ एवं प्रभावी विधिक प्रणाली की आधारशिला है, जिससे लोक विश्वास सुनिश्चित और न्यायिक सिद्धांत का कार्यान्वयन संपुष्ट होता है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The transparency and accountability of judicial function form the cornerstone of a robust and effective legal system, ensuring public trust and upholding the principles of justice. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

किसी भी ~~बैंक~~ संगठन की पारदर्शिता से जनता पर उसकी विश्वसनीयता में वृद्धि होती है तथा यही अपेक्षा राज्य के प्रमुख अंग, न्यायपालिका से की जाती है।

न्यायपालिका में पारदर्शिता की स्थिति

1. कॉलेजियम प्रणाली की अपारदर्शिता

A. तृतीय न्यायाधीशवाद से स्थापित

B. कॉलेजियम की सिफारिश राष्ट्रपति पर बाध्यकारी

C. संविधान में (Art 124) न्यायिक नियुक्ति का उत्तरदायित्व कार्यपालिका को

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2. ~~Uncle-Judge syndrome~~ → पारिवारिक व विशेषाधिकार की अनुभूति

3. CJI द्वारा बेंच स्थापना में स्पष्टता नहीं

4. अवमानना के अधिकार के कारण अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रभावित

हालांकि सुधार → CJI ऑफिस को RTI के दायरे में लाया गया
→ राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड की स्थापना

गोपनियता आवश्यक

1. न्यायधीशों के सम्मान से न्यायपालिका की विश्वसनीयता

2. शक्ति के पृथक्करण के लिए

3. न्यायिक स्वतंत्रता को कायम रखने के लिए

अतः कॉलेजियम के भीतर ही अधिक जवाबदेहिता का उपाय होना चाहिए।

8. राज्यों की राजनीतिक कार्यप्रणाली के संबंध में राज्यपालों के गैर-पक्षपातपूर्ण बने रहने से संबंधित संवैधानिक अवधारणा गहन जाँच के दायरे में है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The constitutional conception of state governors occupying a non-partisan position with regard to the political functioning of states has come under severe strain. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राज्य में जहाँ चुनी गयी सरकार का प्रधान मुख्यमंत्री होता है वहीं केंद्र द्वारा नामित प्रधान राज्यपाल होता है, जो भारतीय संघीय ढ़ाँचे की प्रकृति को प्रदर्शित करता है।

राज्यपाल के निर्णयों पर आरोप

1. पक्षपातपूर्ण रवैये का आरोप

A. विधेयकों पर पॉकेट वीटो लगाना

[Eg] तमिलनाडु द्वारा आरोप [Eg] C4 आरक्षण विधेयक

B. त्रिशंकु विधायिका की स्थिति में पद का दुरुपयोग आरोप

[Eg] गोवा (2017)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

c. विधानसभा के आयोजन में मुख्यमंत्री की राय न सुनना
→ राजस्थान मामला

d. पार्टी के विच्छेद व विलय पर मनमाना निर्णय → महाराष्ट्र मामला

गैर पक्षपात पात्रपूर्ण बनाने के उपाय

1. SR बोम्मई वाद → बहुमत का परीक्षण सदन के पटल पर
2. पंजाब राज्य वाद 2024
→ विधेयक पर सार्वजनिक टिप्पणी के बाद संरक्षित नहीं, उसे लौटाया जाए
3. तमिलनाडु राज्य v. UoI वाद 2024
→ पुनः पारित विधेयक पर राष्ट्रपति के विचाराधीन नहीं रखा जा सकता।

पुंछी आयोग के सिफारिशों के अनुरूप राज्यपाल के पद को अधिक उत्तरदायी बनाया जा सकता है।

9. "कारागार सुधार न केवल एक नैतिक अनिवार्यता है, बल्कि एक विधिक एवं सामाजिक आवश्यकता भी है।" इस कथन के आलोक में भारत में कारागारों की स्थिति का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

"Prison reform is not just a moral imperative, but a legal and social necessity." In light of this statement, critically analyze the state of prisons in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सर्वोच्च न्यायालय के अधिवेशन को संबोधित करते हुए माननीय राष्ट्रपति द्रौपदि मुर्मु द्वारा कहा गया "कारागार सुधार नैतिक अनिवार्यता है।"

वर्तमान कारागार की दशा

1. अपराध न्याय तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा → न्यायालय / पुलिस / कारागार
2. विचाराधीन कैदियों की अधिकता

→ 28%

3. नियुक्ति में रिक्तियाँ
4. लंबित मामलों की अधिकता

SC	HC	अधीनस्थ
~85000	~70 लाख	~3.9 करोड़

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

5. ~~Overcapacity~~ ~ 130%

वर्तमान स्थिति → 4.5 लाख क्षमता

कैदी → 5.5 लाख

6. आधुनिकीकरण की समस्या

7. महिला व समलैंगिकों के लिए अलग से निवास की व्यवस्था

8. स्वास्थ्य मानकों का न होना।

अतः इसके सुधार के लिए आदर्श कारागार अधिनियम पारित किया गया, यह विषय राज्य सूची का है अतः इसमें सहकारिता व संघीय योगदान की आवश्यकता है, UP के चित्रकूट में आधुनिक कारागार की स्थापना की जा रही ~~है~~ रही है पर मानवाधिकार से जुड़ा विषय है।

drishti | दृष्टि The Vision

10. भारत में अखिल भारतीय न्यायिक सेवा (AIJS) की आवश्यकता पर चर्चा करते हुए इसके कार्यान्वयन संबंधी प्रमुख मुद्दों एवं चुनौतियों पर प्रकाश डालिये। (150 शब्द) 10

Discuss the need for an All-India Judicial Service (AIJS) in India, highlighting key issues and challenges in its implementation. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संविधान के Art 312-322 तक अखिल भारतीय सेवा संबंधी प्रावधान किया गया है। पटेल जी के शब्दों में यह भारत का 'इस्पाती ढांचा' है।

भारतीय अखिल भारतीय सेवाओं की आवश्यकता

1. केंद्र राज्य सहयोग की दिशा में आय
   ↳ काडर प्रणाली
2. राज्य में प्रतिभावान व श्रेष्ठ प्रशिक्षण प्राप्त अधिकारियों की नियुक्ति
3. केंद्रीय सेवाओं में स्थानीय परिस्थिति से कार्यरत डेपुटेशन के द्वारा कर्मचारियों

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

की प्राप्ति

५. सामान्यज्ञ से विशेषज्ञ बनने की क्षमता

8. राज्यों में विद्रोह व अशांति की स्थिति में अधिक केंद्रीय पकड़

6. भारत के संविधान का केंद्र की ओर झुकाव, राज्यसभा द्वारा प्रस्ताव पारित कर नये अखिल भारतीय सेवा।

राज्यों का आरोप

1. यह संघीय ढांचे का उल्लंघन

2. राज्य में AIS का समर्पण नहीं

3. डेपुटेशन के तहत प्राथमिक नौकरशाही का स्थानांतरण।

सरकारिया आयोग व पुंछी आयोग

आयोग के सिफारिशों के अनुरूप अधिक AIS बढ़ाने की आवश्यकता जिससे प्रशासनिक एकता आये।

drishti | दृष्टि The Vision

11. सराहनीय प्रयासों के बावजूद, भारत की जनजातीय जनसंख्या तक स्वास्थ्य सेवाओं के सफल वितरण में विभिन्न चुनौतियाँ विद्यमान हैं। विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Despite commendable efforts, there are several obstacles that hinder the successful delivery of healthcare services to the tribal population of India. Analyse. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 8% जनजाति आबादी विद्यमान है।

यह आबादी सामाजिक-आर्थिक मानदण्डों में सबसे पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

भारत – औसत गरीबी – MPI – 14.7%

जनजाति MPI ~ 33%

जनजाति स्वास्थ्य के लिए सराहनीय प्रयास

1. प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना
   - → जन आरोग्य
   - → बीमा

2. प्रधानमंत्री जनमन योजना → PVTGs के लिए
   - → 75

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

3. मातृत्व वंदना योजना → संस्थागत प्रसव → ₹6000

4. पोषण मिशन 2.0 → मिड डे मील

6. वय वंदना योजना

चुनौतियाँ विद्यमान

A. स्वास्थ्य सूचकांकों में सबसे नीचे

1. एनीमिया (महिला) ~ 65%
2. आयरन की कमी > 70% (महिला)
3. स्टंटिंग की समस्या > 45%
   राष्ट्रीय (~35%)
4. पोषणयुक्त आहार की कमी

B. जीवन प्रत्याशा सबसे कम

औसत (IND) ~ 70 साल

जनजाति ~ 65 वर्ष

drishti | दृष्टि The Vision

- बहुआयामी गरीबी के प्रभाव में

  इंधन, आवास, शिक्षा, संसाधन

  आदि की कमी

- <u>सफल वितरण में चुनौती</u>

  a. दुरस्थ <u>अवसंरचना</u> का विकास नहीं

  b. <u>डॉक्टरों द्वारा</u> ऐसे क्षेत्रों में सेवा देने के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण

  c. <u>डिजिटल</u> सेवाओं तक कम पहुँच

  d. नजरअंदाज किये बीमारियों का [उ] प्रभाव (NTD) → साँप का काटना

  e. जनजाति द्वारा स्वयं अलगाववाद [उ] अबुझमाड़

  f. उग्रवाद से विकास प्रभावित [उ] बस्तर क्षेत्र

हालांकि जनजातियों के विकास के कार्यक्रम में अधिक निवेश की आवश्यकता है तथा परियोजनाओं में मात्रा आधारित दृष्टिकोण के बजाए प्रभाव आधारित दृष्टिकोण रखना आवश्यक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

12. विधायी अंग के रूप में संसदीय कार्यों की गणना कीजिये। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि संसदीय संस्था और उसकी प्रक्रियाओं को प्रभावी बनाने हेतु सुधार एवं तत्काल उपचारात्मक कार्रवाई अनिवार्य है? (250 शब्द) 15

Enumerate the functions of Parliament as the legislative organ. Do you agree that reforms and urgent remedial action seem imperative for making parliamentary institutions and processes effective? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2024 के आम चुनाव के बाद 18वीं लोकसभा का गठन हुआ तथा पिछले लोकसभा व राज्य सभा के प्रदर्शन का तुलनात्मक अध्ययन कर भविष्य में उत्पादकता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

विधायी अंग के रूप में संसदीय कार्य

1. कानून का निर्माण करना

A. तीन पाठनों के माध्यम से पारित करना

B. फ्रेमवर्क स्थापित कर – प्रत्यायोजित विधान

C. विभिन्न प्रकार के अधिनियम → धन विधेयक

2. संविधान संशोधन का एक मात्र अंग

A. Art 368 के प्रयोग अथवा सामान्य

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बहुमत के माध्यम से।

3. ~~कार्यपालिका को उत्तरदायी~~ ठहराना

A. सामूहिक उत्तरदायित्व का सिद्धांत (Art 75)

B. प्रश्नकाल, शून्यकाल के माध्यम से

C. स्थगन प्रस्तावों के माध्यम से [D] 17th LS 25% Bill एक दिन में पारित

4. संसदीय समितियों के माध्यम से निरीक्षण

[D] 17th LS में केवल 15% विधेयक समीति के पास, जबकि 14th LS में 71%

A. लोकलेखा समीति, B. + CAG

संसदीय संस्था व प्रक्रिया में सुधार की आवश्यकता

1. अध्यक्ष व पीठासीन अधिकारी की शक्ति

~160 सांसदों का निलंबन

और अयोग्यता संबंधी मामलों पर भेदभाव के आरोप

[D] महुआ मोइत्रा

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2. दैनिक बैठकों की संख्या - 17th LS ~ 280

3. 17th LS की उत्पादकता ~ 71%

4. विपक्षों के आवाज दबाने का आरोप
   [eg] उपाध्यक्ष का चुनाव नहीं (17th LS)

5. सामान्य विधेयक को मनी बिल में परिवर्तन [eg] PMLA, 2017

सुधार के बिंदु

1. जनता द्वारा → चुनाव के माध्यम से अपना हस्तक्षेप

2. न्यायपालिका → विशेष हस्तक्षेप वाद
   अध्यक्ष के विवेकाधिकार पर प्रश्न
   Art 142 का प्रयोग कर complete justice

3. स्वयं संसद द्वारा → संसदीय नियम से

इस प्रकार संसद को उत्तरदायी बनाकर लोकतंत्र को सशक्त बनाया जा सकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

13. वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र कम विरोधाभासी होने के साथ विवादों को सुलझाने के पारंपरिक तरीकों का बेहतर विकल्प प्रदान कर सकते हैं। चर्चा कीजिये। इस दिशा में परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिये सरकार द्वारा क्या प्रयास किये गए हैं? (250 शब्द) 15

Alternate Dispute Resolution mechanisms are less adversarial and can provide a better substitute to the conventional methods of resolving disputes. Discuss. What are the government's efforts to bring out a transformative shift towards it? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पहली बार वीकली लोकपाल मेगाधान चलाया गया, जिसका लक्ष्य 1 सप्ताह में 6000 लंबित मामलों का निपटान करना था।

यह वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्र की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करता है।

परंपरागत साधनों के अतिरिक्त और-परंपरागत माध्यम से समझौते व सुलह के माध्यम से समाधान इसका प्राथमिक उद्देश्य होता है।

पारंपरिक तरीकों से बेहतर कैसे,

1. प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2. समाधान का औसत समय अत्यधिक कम
(हुसैनारा खातून वाद - त्वरित न्याय Art-21)

3. न्याय की वहनीयता सुनिश्चित

4. न्याय तक स्थायी पहुँच → कानून के समक्ष समानता (Art-14)

5. अनौपचारिक माध्यमों का प्रयोग

6. व्यावसायिक कार्यों के अपराधीकरण को कम करता है (Ease of Doing)

7. न्यायालय के लंबित मामलों में कमी का उपकरण

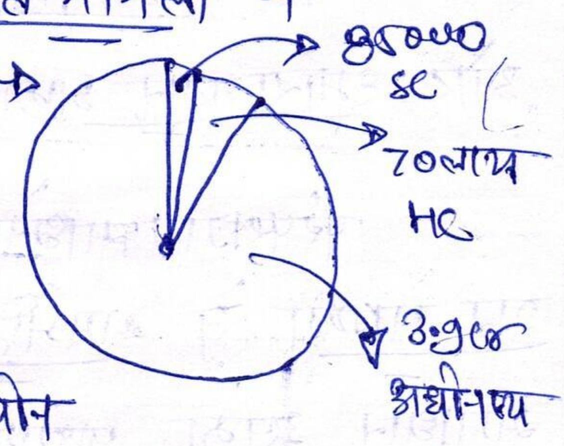

8. अपराध न्याय तंत्र में तेजी
→ 75% विचाराधीन कैदी

9. जेलों के अतिरिक्त भार को घटाता है
→ 130% over capacity
5.5 लाख कैदी / 4.8 लाख क्षमता

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

परिवर्तनकारी बदलाव में सरकार के प्रयास

1. लोकपाल की स्थापना → वैधानिक संस्था
2. विवाह न्यायालयों की स्थापना
   → 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले जिलों में
3. निःशुल्क न्याय अधिकार अधिनियम
4. सिंगापोर डिक्लेरेशन में सहमति
   ↓
   "[illegible] day" में वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्र की स्थापना
5. न्यायाधिकरणों की स्थापना
   → eg CAT, SAT
6. अर्द्ध न्यायिक तंत्र → SEBI, RBI, →
7. डिजिटलीकरण के प्रयास eg e-कोर्ट, मिशन मोड

हालांकि अपराध न्याय तंत्र की जटिलता को ध्यान में रखते हुए क्रियान्वयन बाधा को दूर करकर त्वरित न्याय पहुँचाना आवश्यक है

drishti | दृष्टि The Vision

14. दिल्ली के शासन और भारत के संघीय ढाँचे पर इसके संभावित प्रभाव पर विचार करते हुए दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र शासन (GNCTD) (संशोधन) अधिनियम, 2023 के प्रावधानों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये।

(250 शब्द) 15

Critically examine the provisions of the Government of National Capital Territory of Delhi (GNCTD) (Amendment) Act, 2023 considering its potential impact on the governance of Delhi and the federal structure of India.

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

GNCTD अधिनियम, 2023 को हाल ही में राष्ट्रपति द्वारा मंजूरी दी गयी। यह केंद्र व दिल्ली (NCT) UT के बीच संबंधों की रूपरेखा तैयार करता है।

GNCTD संशोधन अधिनियम की विशेषताएँ

1. सिविल सेवा नियुक्ति परिषद की स्थापना की बात कही गयी है तथा इसके अध्यक्ष दिल्ली के CM होंगे, हलांकि इस संबंध में सिफारिश LG पर बाध्यकारी नहीं होगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2. दिल्ली सरकार के रूप में LG नामित है अर्थात् स्पष्ट किया गया है कि NCT एक केंद्रशासित प्रदेश है।

3. संवैधानिक ढाँचे का पालन नहीं करने पर राष्ट्रपति शासन आरोपित किया जा सकता है।

दिल्ली व भारत के संघीय ढाँचे पर प्रभाव

1. संघवाद का प्रश्न

▷ SR बोम्मई वाद ▷ संघवाद मूल ढांचे का हिस्सा

▷ किंतु संविधान के अनु 239AA स्पष्ट है कि NCT एक केंद्रशासित प्रदेश है, जो केंद्र के प्राधिकरण में आता है।

2. NCT दिल्ली वाद, 2020 के निर्णयों के विरुद्ध

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

माना जा रहा है।

अतः निर्णय कि 16 को विवेकाधिकार केवल संविधान की सीमा में अन्यथा राज्य सरकार की सिफारिशों के अनुरूप

9. श्रृंखलाबद्ध उत्तरदायित्व प्रभावित होने का भय

↓

लोकतंत्र भी प्रभावित होगा

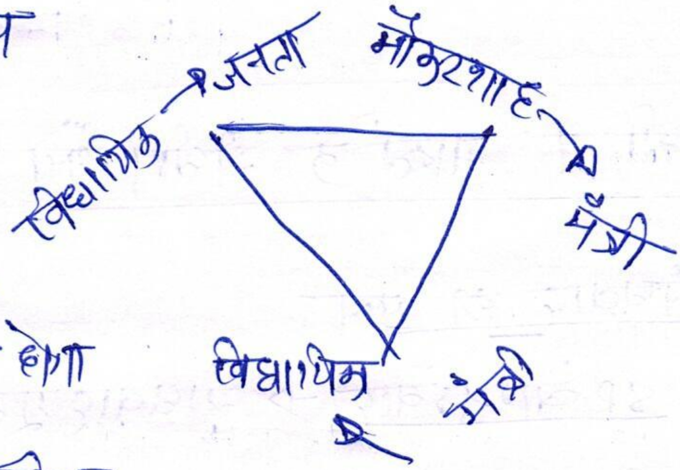

10. जनता के हित प्रभावित (eg) हरियाणा विवाद
हथिनी कुंड बैराज पानी छोड़ने से 2023 में बाढ़

प्रतिगामी संघवाद के बजाए सहकारी संघवाद की नीति भारत की अखण्डता के लिए अनिवार्य है।

drishti | दृष्टि The Vision

15. भारतीय लोकसभा और ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स में अध्यक्ष की भूमिका की तुलना कीजिये। चर्चा कीजिये कि ये भूमिकाएँ अपने-अपने विधायी निकायों की कार्यप्रणाली को कैसे प्रभावित करती हैं। (250 शब्द) 15

Compare and contrast the role of speaker in the Indian Lok Sabha and British House of Commons . Discuss how these roles impact the functioning of their respective legislative bodies. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय संविधान निर्माण के दौरान विभिन्न देशों के संविधान को संदर्भ में लिया गया अतः इस संस्थाओं का तुलनात्मक अध्ययन लोकतांत्रिक ढांचे की समझ बढाने के लिए आवश्यक है।

भारतीय लोकसभा व ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमंस के अध्यक्ष की भूमिका की चर्चा

1. LS अध्यक्ष का पद 1935 के अधिनियम से प्रेरित माना जाता है।
2. ब्रिटिश HOC के अध्यक्ष लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विकास का उत्पाद है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2. LS अध्यक्ष का निर्वाचन, निर्वाचित LS सांसदों द्वारा की जाती है। ऐसा ही ब्रिटिश HOC के अध्यक्ष के साथ होता है।

3. LS अध्यक्ष किसी भी दल से हो सकता है, हालांकि वह सत्ताधारी दल से संबंधित होता है। वहीं इसे पार्टी त्यागने की बाध्यता नहीं होती।

जबकि HOC अध्यक्ष पार्टी का त्याग करता है ताकि निष्पक्षता स्थापित की जा सके।

4. LS अध्यक्ष अगले सत्र तक अध्यक्ष रहता है, लेकिन पुनः निर्वाचन की योग्यता के लिए सांसदी चुनाव जीतने की आवश्यकता होती है, वहीं HOC अध्यक्ष, निरविरोध जीतया जाता है, जब तक वे बिना पक्षपात के कार्य करें।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विधायी निकायी प्रणाली में प्रभाव

1. अध्यक्ष के शक्ति के दुरुपयोग का आरोप

A. दलबदल अधिनियम में न्याय के दौरान — न्याय में देरी (प्रक्षपातवाद)
[उदा] किहोतो होलोहान वाद

B. निर्योग्यता के निर्णय पर आरोप [उदा] मोइया मोइत्रे MP

C. सामान्य विधेयक को वित्त विधेयक के रूप में प्रमाणित करना [उदा] आधार अधिनियम

D. 17th LS के दौरान 167 LS सांसदों का निष्कासन

इन्हीं आरोपों व दुरुपयोगों से ~~बचा~~ बचने के लिए ब्रिटिश HOC अध्यक्ष को आदर्श के रूप में देखा जाता है।

drishti | दृष्टि The Vision

16. राजकोषीय संघवाद सुनिश्चित करने एवं केंद्र और राज्य सरकारों की राजकोषीय शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने में वित्त आयोग की महत्त्वपूर्ण भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

Critically evaluate Finance Commission's crucial role in ensuring fiscal federalism and maintaining a balance between the fiscal powers of the central and state governments. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हाल ही में अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता में 16th वित्त आयोग का निर्माण राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 280 के द्वारा प्रदान शक्तियों के प्रयोग से किया गया।

अनु. 280 का उद्देश्य समानांतर और ऊर्ध्वाधर अंतरण पूल/छत्र का निर्माण कर राजकोषीय संघवाद की स्थापना करना है।

राजकोषीय संघवाद से आशय, संघीय ढांचे में असमरूपता लाते हुए केंद्र-राज्य व राज्य-राज्य संबंधों को सुदृढ़ करना है तथा इसी अनुरूप वित्त का वितरण सुनिश्चित करने से है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

राजकोषीय संघवाद की स्थापना में वित्त आयोग

1. सकारात्मक भूमिका

A. अंतरापीढ़ीगत समता (Intragenerational equity) स्थापित करना

अधिक धन संचय से → कम धन संचय की ओर

B. वस्तुनिष्ठ सूत्रों का निर्माण व पारदर्शी आधार

[eg] ऊर्ध्वाधर वितरण 42% → 41%
↓
कमी क्योंकि J&K व लद्दाख नये UT

C. सूत्रों में बहुआयामी मापदंडों का निर्धारण

[eg] गरीबी, जनसंख्या (→ 1970, → 2011)
वनभूमि, जनांकिकीय प्रदर्शन

D. नगरनिगम व स्थानीय निकायों में भी वितरण [eg] ₹ 62000 - 15th FC द्वारा

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2. नकारात्मक

A. दक्षिणी राज्यों का आरोप → Stepmother treatment

उ. प्र. ₹1 → ₹0.27 प्राप्त
बिहार ₹1 → ₹7 प्राप्त

B. NK सिंह समिति सिफारिश

→ राज्यों के ऋण में सीमा 2-3% GSDP का तथा off Budget Borrowing की भी गणना

→ (केरल बनाम UOI वाद - जारी)

C. केंद्र सरकार द्वारा वसूले गये सेस व सरचार्ज का वितरण नहीं

→ कुल कर राजस्व का ~20%

D. अनुदान में कमी 2018 - 1,95,000 ₹
2023 - 1,65,000 ₹

अतः इन समस्याओं के निदान से सहकारी संघवाद व राजकोषीय संघवाद स्थापित किया जा सकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

17. क्या भारत ने अपनी वैश्विक स्थिति और प्रभाव को बढ़ाने के लिये अपनी सॉफ्ट पावर का लाभ उठाया है? विश्लेषण कीजिये।
(250 शब्द) 15

Has India leveraged its soft power to enhance its global stature and influence? Analyze.
(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पिछले वर्ष भारत में आयोजित G20 के सफल बैठक को भारतीय सॉफ्ट पावर के महत्वपूर्ण उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है।

वैश्विक स्थिति व प्रभाव बढ़ाने में सॉफ्ट पावर का प्रयोग

1. आर्थिक प्रभाव में वृद्धि
A. डायस्पोरा के माध्यम से प्राप्त रेमिटेंस
B. डायस्पोरा के माध्यम से निवेश बढ़ाना
[a] 2023 $120bn
[b] एपल विनिर्माण यूनिट
C. डायस्पोरा का प्रयोग नीति निर्धारण में

USA में 4 मंत्री → भारत से संबंध सुधारे → 2008 परमाणु संधि

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

2. अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा

1. योग दिवस का सार्वभौमिकरण
2. UNSC की स्थायी सदस्यता का दावा
   - G4 देश
   - G77 द्वारा
   - G69 → सुधार की अपील
3. "Voice of Global South" का आयोजन भारत में → G20 में अफ्रीकी संघ का प्रवेश

3. पर्यावरणीय मुद्दों में सॉफ्ट पावर

A. CBDR-RC की सिद्धांतों का समर्थन
B. लॉस व डैमेज फंड के निर्माण में
C. अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, OSOWOG, आपदा सहाय अवसंरचना के लिए गठबंधन।
D. LiFE अभियान से जोड़ना, पंचामृत सिद्धांत।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

4. सॉफ्ट पॉवर से रणनीतिक स्वायत्तता

USA आधारित	रूस-चीन आधारित
QUAD, I2U2, MSP	SCO, INSTC,
G7 में पर्यवेक्षक	रुपया-रूबल समझौता

आलोचनात्मक पक्ष

1. पर्याप्त वित्त का अभाव
   - eg. बांग्लादेश को LOC → IND ~ 10 bn$, चीन ~ $ 24 bn
2. चीन की BRI से प्रतिस्पर्धा
   - eg. श्रीलंका का हंबनटोटा पोर्ट
3. USA का हिंद महासागर में प्रवेश → बांग्लादेश समझौता
4. Soft power और Hard power दोनों में कार्य करने की आवश्यकता

सॉफ्ट पावर हमारी नैतिक प्रतिष्ठा को प्रदर्शित करती है किंतु हार्ड पॉवर हमारी संप्रभुता की रक्षा करती है)

drishti | दृष्टि The Vision

18. अपनी स्थापना के बाद से पिछले दो दशकों से अधिक समय में, बिम्सटेक (BIMSTEC) ने अपनी विशाल क्षमता का उपयोग करते हुए सामूहिक उन्नति की दृष्टि वाले समूह के रूप में अपनी अलग पहचान बनाने में एक लंबा सफर तय किया है। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

In the past more than two decades since its establishment, BIMSTEC has come a long way in distinguishing itself as a group with a vision for collective advancement utilizing its vast potential. Comment. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हाल ही में BIMSTEC द्वारा अपना आधिकारिक चार्टर जारी किया गया, जो इस संस्था की मजबूती और औपचारिकीकरण को इंगित करता है।

BIMSTEC
(बंगाल की खाड़ी पहल, विज्ञान, तकनीक व आर्थिक सहयोग के लिए)

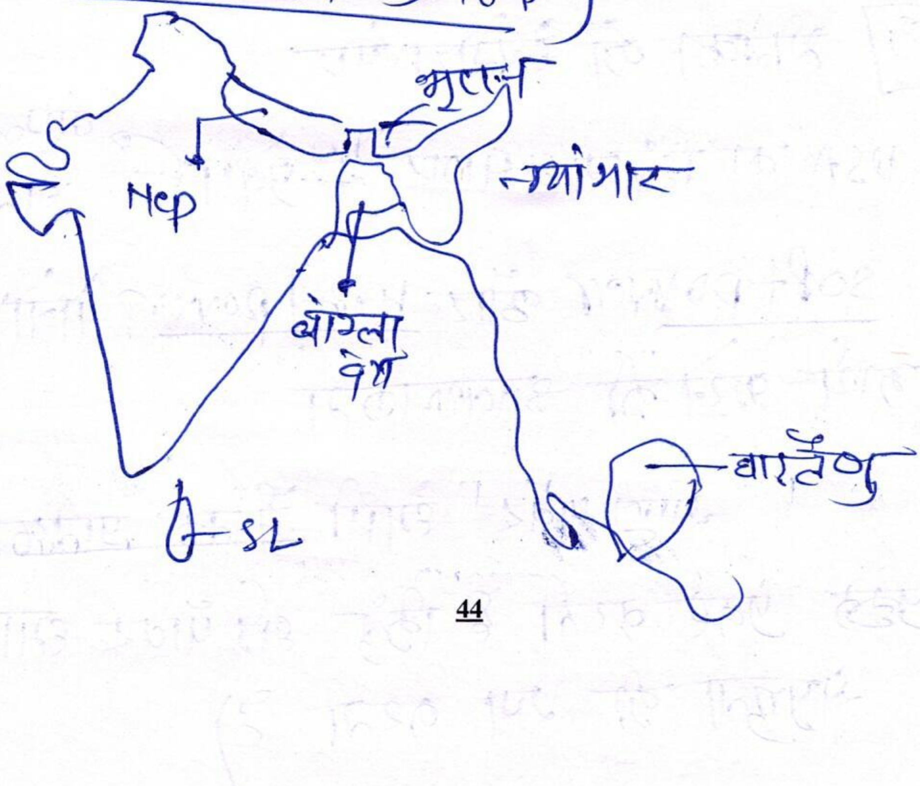

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

BIMSTEC का विकास व अलग पहचान

1. SAARC के प्रतिस्थापन व Act East policy के अनुरूप भारतीय हितों से संचालित
2. पड़ोसी पहले की नीति व दक्षिण एशिया का दक्षिण पूर्वी एशिया से जुड़ाव स्थापित करना।
3. ढाका उद्घोषणा के माध्यम से स्थापना।

अलग पहचान के लिए लंबा सफर

1. BIMSTEC का निर्माण हुआ किंतु देशों की सक्रियता कम रही।
2. आपसी व्यापार व तकनीकी हस्तांतरण की कमी
3. क्षेत्र में अस्थिरता से सीधे प्रभावित
   - म्यांमार — जुंटा शासन
   - श्रीलंका — आर्थिक संकट 2020
   - बांग्लादेश — सत्ता पलट 2024

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हालांकि सुधार की दिशा में कदम

1. चार्टर की घोषणा, सभी देशों को अलग-अलग उत्तरदायित्व सौंपे गये हैं।

2. भारत द्वारा निरंतर सक्रियता

A. SAGAR पहल, C. IORA

B. IRNSS पहल

3. द्विपक्षीय संबंधों में वृद्धि

A. IND द्वारा SL को $4bn की आर्थिक सहायता

B. म्यांमार में भारत का कलादान प्रोजेक्ट

C. बांग्लादेश से सीमा समझौता।

4. चुनौतियाँ विद्यमान

- बांग्लादेश सत्ता पलट
- चीन का बढ़ता प्रभाव

वैश्विक शक्ति होने से पूर्व भारत को दक्षिण एशिया में अपने संबंधों के विकास को बढ़ा कर शक्ति स्थापित करने की आवश्यकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

19. उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में बढ़ते वैश्विक ऋण संकट के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर पड़ने वाले प्रमुख परिणामों का परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

Examine the major outcomes of soaring global debt crisis in emerging and developing economies on international relations. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

चीन जैसी आक्रामक देश द्वारा ऋण का प्रयोग करके "Debt Diplomacy" का प्रयोग किया जाता है वहीं यह रणनीति विकासशील देशों के लिए "Predator Economy" का कार्य करती है, जो अत्यंत चिंता का विषय है।

उभरती व विकासशील अर्थव्यवस्था पर बढ़ते वैश्विक ऋण संकट

1. वैश्विक ऋण, वैश्विक GDP के रिकॉर्ड 303% के स्तर पर

2. न सिर्फ विकासशील, बल्कि विकसित देश भी

[ex] UK ~ 270% of GDP
जापान ~ 400% of GDP

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

3. विकासशील देशों की स्थिति

A. पाकिस्तान – कुल ~~विदेशी~~ विदेशी ऋण का चीन में हिस्सा ~75%

B. केन्या — " — ~80%

C. इक्वाडोर — " — ~70%

D. श्रीलंका — " — ~54%

ऋण संकट से अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर पड़ने वाला संभावित परिणाम

1. राजकोषीय दबाव की नीति
→ कल्याणकारी व्यय में कमी
↓
अंतर्देशीय प्रवास की समस्या
(ex) अफ्रीका से यूरोप

2. ऋणों की अधिकता में व्यापार की संरक्षणवाद

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

▷ BOP संतुलन के लिए
▷ Friendshoring का पालन

(ख) USA – चीन
↓
Tradewar

4. अंतराष्ट्रीय मंचों पर दबाव व तनाव
↓ IMF — WB
↓
ब्रेटन वुड्स सिस्टर संस्था

5. ऊर्जा संक्रमण में देरी का भय ▷ जलवायु परिवर्तन की समस्या

6. Money flight
अर्थात् FPI जैसे निवेशों की निकासी
▷ विकासशील अर्थव्यवस्था प्रभावित

7. ऋण के बदले ऋण ▷ ऋणजाल की समस्या
↓
आर्थिक संप्रभुता प्रभावित

(ख) हंबनटोटा को 99 वर्षों के लिए लीज पर देना

अतः वैश्विक ऋण प्रबंधन एक बड़ी चुनौती है, जिसका समाधान वैश्विक सहयोग से करना चाहिए

20. यूरोप का हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर बढ़ता ध्यान तथा भारत के साथ गहराता आर्थिक और तकनीकी सहयोग परस्पर लाभ प्रदान करता है। चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Europe's increased focus on the Indo-Pacific and the deepening economic and technological collaboration with India offer mutual benefits. Discuss. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप का ध्यान पुनः अब हिंद-प्रशांत की ओर बढ़ रहा, जो अवसर के साथ-साथ भारत के लिए चिंता का भी विषय है।

यूरोप का हिंद-प्रशांत क्षेत्र में ध्यान

1. आर्थिक कारण

A. विकासशील व उभरते राष्ट्रों में व्यापारिक अवसर देखने के लिए

B. यूरोप आर्थिक ~~मंदी के~~ मंदी दरवाजे पर अतः आर्थिक गतिविधि में तेजी लाने

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2. रणनीतिक उद्देश्य

A. चीन की आक्रामकता के विरुद्ध

B. रूस के प्रभाव को संतुलित करने के लिए।

3. गतिविधियाँ

A. G20 में सक्रिय भागीदारी तथा क्षेत्र में शांति स्थापना का उद्देश्य प्रकट करना

B. G20 के दौरान IMEEC की घोषणा
+
IND के मुम्बई से, मल्टीमॉडल प्रोजेक्ट के रूप में ग्रीस के पिरायस को जोड़ना।

C. EFTA देशों का भारत के साथ TEPA

D. AUKUS के माध्यम से रणनीतिक प्रवेश

E. EU व UK का भारत के साथ FTA वार्ता

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

का दौर।

५. चुनौतीपूर्ण क्यों

A. यूरोप, खासकर पश्चिमी देश, भारत को अपने गुट में शामिल करना चाहता है

चीन व रूस को संतुलित करने

B. यह भारत के रणनीतिक स्वायत्तता के विरुद्ध है,

C. वहीं रूस भारत का 'ऑल वेदर फ्रेंड' रहा है।

D. साथ ही यूरोपीय देशों का साम्राज्यवादी व उपनिवेशवादी इतिहास चिंताजनक है।

इस प्रकार भारत का उद्देश्य साझा मूल्यों जैसे लोकतंत्र, नियमआधारित विश्व में साझे प्रयास से विकास की प्राप्ति है।

drishti | दृष्टि The Vision

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

drishti | दृष्टि The Vision

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)